

काश्यपगोत्र अग्निहोत्री

स्थान असामी विस्वा

बिनौर के जगनू ५

अमृतपुर के भग्ना ४

लखनऊ के जुड़ावन ४

कठेरुआ के शीतल ४

कलुहा के शिवदीन १०

काश्यप गोत्र शुक्ल

अवस्थी मिश्र

स्थान असामी विस्वा

शुक्ल विधौली के गोवर्धन ५

स्थान असामी विस्वा

रिवाड़ी के सुन्दर ४

अवस्थी मिगलानी के साहब ४

॥ सुरमुहाके यज्ञपति ४

॥ ख्यूरा के आशादत्ती २

॥ खिरौली के बबुआ १०

मिश्र कृपानपुर रामकृष्ण ५

॥ नगराके देवकीनन्दन ३

॥ नगरा के शिवदत्त ३

इति काश्यप गोत्रम्

❀ ॐ ❀

गौतम गोत्रस्य वृत्तांतम्

श्री ब्रह्मा जी के पुत्र गौतम ऋषि के बन्श धनावल ग्राम में माधवानन्द शुक्ल भये उन्हीं माधवानन्द की पांचवीं पीढ़ी में त्रिपुरमर्दन परम प्रसिद्ध भये और धनावली के शुक्ल कहाये, तिनके पुत्र १ क्षेमकरण पिता की आज्ञानुसार त्रिपुरारिपुर में बसे और त्रिपुरारि के शुक्ल कहाये, क्षेमकरण के तीन पुत्र १ धनई गहवर के तिवारी, २ विजई बादीपुर के तिवारी, ३ अङ्गद बसनिहा के तिवारी, विजयी के २ पुत्र १ भगवन्त भदेश्वर

के दुबे, भगवानदीन गुलौली के दुबे कहाये, धनई के दो पुत्र १ यदुवंश कर्चलपुर के अग्निहोत्री, २ हरिवन्श शुक्लापुर के अग्निहोत्री, अद्द त्रिपाठी के ३ पुत्र पहली स्त्री से २ रूपन १ शिवलाल २ दूसरी स्त्री से कण्ठमणि ३ रूपन, चिलौली के पाँडे, शिवलाल गुलौली के पाँडे, कण्ठमणि पोखरा के मिश्र कण्ठमणि के २ पुत्र १ महासुख पोखरा के गौतमी, मिश्र, २ परमसुख जूंगरपुर के मिश्र रूपन के २ पुत्र १ कालेश्वर नौदसी के पाँडे २ नागेश्वर हरिहरपुर के पाँडे । कालेश्वर के ३ पुत्र १ मधई त्रिपुरारिपुर के अवस्थी, २ भजनी जूंगरपुर के अवस्थी ३ सीवन्त नवलपुर के अवस्थी कहाये । भजनी के दो पुत्र मतिकर वीरमपुर के दुबे, यज्ञ भोगीपुर के अवस्थी यह दोनों निज निज नाम से प्रख्यात हुए ।

❀ गौतम गोत्र शुक्लों का स्थान असामी विस्वा ❀

स्थान	असामी	विस्वा		स्थान	असामी	विस्वा
घनावली	त्रिपरमर्दन	४		त्रिपारि	खेमकरन	४

गौतम गोत्र तिवारी

स्थान	असामी	विस्वा
गहवर के घनई		२
बादीपुर के बिजई		"
बसनिहा के अद्दद		"

गौतम गोत्र दुधे

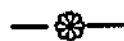
स्थान	असामी	विस्वा
भदेश्वरी के भगवन्त		२
गुलौली के भगवानदीन		२
बीरमपुर के मतिकर		२

गौतम गोत्र अग्निहोत्री पांडे मिश्र अवस्थी

स्थान	असामी	विस्वा
कचलपुर के अग्निहोत्री यदुवंश		२

स्थान	असामी	विस्वा
अ. शुक्लापुर के हरिवंश		२
पांडे चिलौली के रूपन		३
पांडे गुलौली के शिवला		२
पांडे नौदशी के कालेश्वर		२
पांडे हरिहरपुर के नागेश्वर		३
पोखरा के मिश्र कंठमणि		२
पोखरा गौतमी मिश्र महासुख		२
जुङ्गरपुर के मिश्र परमसुख		२
अवस्थी भोगीपुर के यज्ञ		३
त्रिपुरारिपुर अवस्थी मधई		४
जुगरपर मजनी		२
नवलपुर के सीवन्त		४

❀ इति गौतम गोत्रम् ❀



गर्ग गोत्रस्य वृत्तांतम्

समस्त यदुवंशियों के पुरोहित श्री गर्ग मुनि की चौदहवीं पीढ़ी में महानन्द नामक चौबे परम प्रतापवान भये, तिनके पुत्र महेश्वर डौड़िया के चौबे विख्यात भये, तिनके ३ पुत्र पहिले पुत्र श्यामलाल पिहानी के चौबे